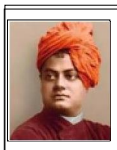

मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे अज्ञानी मनुष्य कहते है
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक125 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी शनिवार 20 जनवरी 2024 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ 4

पृष्ठ-3 संपादकीय एवं प्रदेश समाचार
पृष्ठ-3 सिवनी /बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

चोर गिरोह की घेराबंदी के दौरान आरोपित की गोली से प्रधान आरक्षक की मौत

सिवनी यशोः- जिला मु यालय के डूंडासिवनी थाना में सेवारत प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर अनेक अलग-अलग अपराधों संलिप्त आरोपियों को पकडने के दौरान आरोपी द्वारा चलाई गयी गोली के निशाने में आ गए. और उपचार के दौरान नागपुर में प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर की मौत हो गई। इस मौत के पश्चात पुलिस विभाग का सारा अमला और चोर गिरोह को पकड़ने के दौरान शहीद हुये राकेश ठाकुर के परिजनों को गहरा सदमा लगा । राकेश की मौत की खबर सुनकार परिजनों का रो रोकर बुरा हाल रहा है शुक्रवार की शाम को राकेश का अंतिम संस्कार राजकीय स मान के साथ उनके गृहग्राम डोभ में किया गया । कर्तव्य निर्वाह करते शहीद हुये पुलिस के जांबाज सिपाही राकेश की अंतिम यात्रा सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन पूर्व केवलारी विधायक राकेश पाल सिंह पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने नम आंखों से शहीद पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर को अंतिम विदाई दी ।

यहाँ बता दें कि सिवनी जिले के डूंडा सिवनी थाना क्षेत्र में बीते दिवस चोरी की घटना सामने आई थी जिसकी विवेचना दौरान गुरूवार की रात्रि के समय एक गिरोह के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी । प्राप्त लोकेशन के

आधार पर गिरोह की घेराबंदी की गयी थी । पुलिस टीम छिंदवाड़ा रोड ब होड़ी बायपास में गुरुवार रात करीब 10 बजे चोर गिरोह पकड़ने के लिये पहुँची थी । चोर गिरोह के तीन आरोपियों को घेराबंदी कर पुलिस ने दबोच लिया था इन तीन आरोपियों को पुलिस से छुडाने के लिये चौथे आरोपी ने रिवाल्वर से पुलिस टीम पर फायरिंग कर गोली चलाई जिसमें एक गोली डूंडासिवनी थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर के सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल प्रधान आरक्षक को जिला अस्पताल ले जाया गया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर कर दिया गया था । नागपुर मेडिकल कालेज में पूरी रात उपचार के बावजूद घायल प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर को नहीं बचाया जा सका ।

गृहग्राम डोभ में सास मान किया गया अंतिम संस्कार

शुक्रवार सुबह 5.30 बजे प्रधान आरक्षक की नागपुर में मौत हो गई। नागपुर में पोस्ट मार्टम के बाद अपनी प्राणों का बलिदान देने वाले प्रधान आरक्षक का शव सिवनी स्थित गृहग्राम डोभ ले जाया गया जहां राजकीय स मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन केवलारी के पूर्व विधायक राकेश पाल सिंह, जबलपुर जोन के आइजी उमेश जोगा, सिवनी जिला कले टर क्षितिज सिंघल, छिंदवाड़ा रेंज के डीआइजी सचिन अतुलकर सहित सिवनी पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह, सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक एवं आमजन शहीद राकेश ठाकुर की अंतिम यात्रा में शामिल हुये ।

गिरोह की सूचना मिलने पर की गई थी घेराबंदी

पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने प्रेस जानकारी देते हुये बताया कि डूंडासिवनी थाना अंतर्गत महाराणा प्रताप नगर के एक घर में चोरी की घटना की जांच में पुलिस को मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों में रैकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले चोर गिरोह का सुराग मिला था। चोर गिरोह की लोकेशन मिलने पर 18 जनवरी गुरूवार रात नाकाबंदी कर पुलिस टीम को मौके पर गई थी। छिंदवाड़ा रोड़ वैनगंगा नदी पुल के पास लखनवाड़ा थाना पुलिस बल को चैकिंग पाइंट पर तैनात किया गया। जबकि डूंडासिवनी पुलिस की दो टीमें चोर गिरोह का पीछा कर रही थी। इनोवा वाहन से छिंदवाड़ा की ओर भागने का प्रयास कर रहे आरोपित लखनवाड़ा में पुलिस की चैकिंग देखकर वापस सिवनी शहर लौटने लगे। आरोपितों ने ब होड़ी के पास वाहन रोककर पुलिस की गतिविधियों को भांपने का प्रयास किया। पुलिस की इस टीम में हेड कॉन्स्टेबल राकेश ठाकुर, हेड कॉन्स्टेबल शेखर बघेल, कॉन्स्टेबल विनय चोरिया और कॉन्स्टेबल अजय बघेल शामिल थे।

तीन गिर तार, गोली चलाने वाले की तलाश जारी

इसी बीच चार पुलिस कर्मियों के दल में शामिल प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर मौके पर पहुंच गए जिसने गिरोह के तीन आरोपी जनक सिंह, प्रवीण वैष्णव, गुलशन को पकड़ लिया था। चौथे आरोपी सद्दाम ने साथियों को बचाने के लिए गोली चला दी। इनमें हेड कॉन्स्टेबल राकेश ठाकुर घायल हो गए। गोली चलाने वाला सद्दाम मौके से फरार हो गया है। बाकी आरोपी पुलिस की गिर त में हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। घायल प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर और पुलिस कर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए अपने चंगुल में आए आरोपितों को भागने का मौका नहीं दिया। साहसी पुलिस कर्मी तत्काल घायल प्रधान आरक्षक को जिला अस्पताल लेकर आए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर उपचार के लिए मेडीकल नागपुर में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुदत्त शर्मा, एसडीओपी पुरूषोत्तम मरावी सहित बड़ी सं या में पुलिस बल तथा प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार आरोपी जनक सिंह और सद्दाम भिंड जिले के मेहगांव के रहने वाले हैं। आरोपी प्रवीण वैष्णव और गुलशन मंडला जिले के नैनपुर के रहने वाले हैं।

पुलिस ने खो दिया जबाज बहादुर

एसपी ने बताया कि प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर चोरी सहित अन्य घटनाओं का राजफाश करने में लगातार प्रयासरत रहते थे। एटीएम सहित अन्य चोरी के मामलों का राजफाश करने में प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर की विशेष भूमिका रही है। 11-12 जनवरी को डूंडासिवनी में हुई चोरी के बाद काल डिटेल के माध्यम से प्रधान आरक्षक ने चोर गिरोह की जानकारी जुटाई थी। जबाज पुलिस कर्मी राकेश ठाकुर का बलिदान पुलिस विभाग भुला नहीं सकता ।

अपराधियों के लिये प्रदेश में कोई जगह नहीं - मु यमंत्री

सिवनी यशोः- अपने कर्तव्य के दौरान दायित्व निभाते हुये शहीद हुये राकेश ठाकुर की मौत पर प्रदेश के मु यमंत्री मोहन यादव ने शोक संवेदना व्यक्त की है । सीएम मोहन यादव ने कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सिवनी जिले के पुलिस के जांबाज प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर के बलिदान को नमन और परिजनों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। पुलिसकर्मी को शहीद का दर्जा और राज्य सरकार द्वारा उनके परिवार को श्रद्धा निधि के रूप में 1 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही स्व. ठाकुर के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। मध्यप्रदेश सरकार शहीद के परिजनों के साथ खड़ी है। घटना के 3 आरोपियों को गिर तार कर लिया गया है। फरार एक अन्य आरोपी को भी जल्द गिर तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। मध्यप्रदेश की जमीन पर अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी अपराधी को ब शा नहीं जाएगा।

सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन एवं केवलारी के पूर्व विधायक राकेश पाल सिंह ने पुलिस विभाग में कार्यरत प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर की अंतेष्ठी मे शामिल होकर नमन किया] तथा परिजनों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की ।

जिला भाजपा ने पुलिस के जांबाज सिपाही के बलिदान को किया नमन

सिवनी यशोः- डूंडा सिवनी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक राकेश ठाकुर ने अपने दायित्व का निर्वाह करते हुये अपने प्राण न्योछावर कर दिये । जांवाज प्रधान आरक्षक की शहादत पर जिला भाजपा के अध्यक्ष आलोक दुबे, मंडला सिवनी सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, बालाघाट सिवनी सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन, सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले, भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष वेदसिंह ठाकुर, पूर्व विधायक राकेश पाल सिंह, पूर्वविधायक नरेश दिवाकर, पूर्व सांसद श्रीमती नीता पटेरिया, सहित समस्त जिला पदाधिकारियों ने गहन शोक संवेदनाएँ व्यक्त करते हुये जांबाज आरक्षक के बलिदान को नमन करते हुये शोकाकुल परिवार के प्रति शोक संवेदनाएँ व्यक्त की है और कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ईश्वर से कामना करती है कि शोक संतप्त परिवार को गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे सहित भाजपा के समस्त जनप्रतिनिधियों ने कहा है कि इस दुखद घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को कड़ी कड़ी सजा दिलाई जायेगी और जांबाज पुलिस आरक्षक स्व. ठाकुर के प्राण लेने वाले दोषियों को भाजपा की प्रदेश सरकार कठोर से कठोर सजा दिलाने के लिये प्रतिबद्धता व्यक्त कर चुकी है । श्री दुबे ने कहा कि प्रदेश के संवेदनशील मु यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अपराधियों के लिये कोई जगह नहीं है ।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने खैरमाई मंदिर मे किया सफाई का कार्य

सिवनी यशोः- शुक्रवार 19 जनवरी को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन मंदिर सफाई अभियान अंतर्गत खैरमाई मंदिर मे साफ-

सफाई का कार्य किया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर तीर्थ स्थलों पर 14 जनवरी से 22 जनवरी तक चलायें जा रहे सफाई अभियान अंतर्गत नगर के मंदिरों के सफाई कार्यक्रम मे प्रतिदिन अनुसार शुक्रवार को भी विधायक श्री राय ने प्रातः 08:30 बजे नगर के कबीर वार्ड डूंडा सिवनी मे स्थित खैरमाई मंदिर पहुंचकर साफ-सफाई का कार्य किया। इसके अलावा गत दिवस विधायक श्री राय लखनादौन नगर के सर्वोदय इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह मे मु य अतिथि के रूप स मिलित हुए जहां पर शाला परिवार के मुखिया द्वारा आपका शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट स मान किया गया। इसके साथ ही उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले प्रतिभागियों को श्री राय के करकमलों से पारितोषिक वितरण किया गया।

शौचालय इत्यादि साफ करना पड़ता है शिक्षकों और विद्यार्थियों को
शर्मनाक शिक्षा स्तर पर्याप्त सं या में भर्ती करके शिक्षकों से बेगार कराना बंद हो

सिवनी यशोः- शिक्षा की शर्मनाक दशा उजागर करने वाली एक रिपोर्ट के अनुसार 14 से 18 वर्ष के 25 प्रतिशत बच्चे कक्षा दो के पाठ को ठीक से नहीं पढ़ पाते। जबकि ये बच्चे 8 वीं से 12 वीं कक्षा के विद्यार्थी होते हैं। जो बच्चे 5 वी कक्षा तक पढ़े हैं, उनका स्तर तो बहुत शर्मनाक है। इस दशा को सुधारने के लिए पर्याप्त सं या में भर्ती करके शिक्षकों से बेगार कराना बंद किया जाए।

उत्ताशय की मांग करते हुए रविदास शिक्षा मिशन के अध्यक्ष रघुवीर अहरवाल ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व केन्द्र सरकार ने नई शिक्षा नीति की घोषणा करते हुए उसके बहुत गुणगान किए थे। देश-प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी के साथ-साथ संसाधनों का भी अभाव है। अधिकांश प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में एक या दो शिक्षक कार्यरत हैं। प्रथम फाउंडेशन की वियांड वेसि स 2023 की एएसइआर रिपोर्ट के अनुसार सरकारी और निजी स्कूलों के 14 से 18 वर्ष आयु के बच्चे कक्षा 2 के पाठ को ठीक से नहीं पढ़ पाते। इसी आयु वर्ग करीब 51 प्रतिशत बच्चे गणित के साधरण प्रश्न हल नहीं कर सकते। अंग्रेजी का शिक्षा स्तर तो बेहद दयनीय है। देश का शिक्षा स्तर पाकिस्तान और बंग्लादेश से भी घटिया है।

रविदास शिक्षा मिशन के अध्यक्ष रघुवीर अहरवाल ने आगे बताया कि मध्यप्रदेश में करीब 80 हजार प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूल हैं। इनमें से करीब 99 प्रतिशत स्कूलों में चपरासी और सफाई कर्मचारी नहीं है। इसके अलावा स्कूल में परिसर रात के समय असामाजिक तत्वों द्वारा शराब की खाली बाटलें और पाउच फैलाये जो हैं, जिन्हें भी शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा साफ किया जाता है। कुछ स्कूलों में शरारती तत्व अश्लील शब्द भी लिखते हैं जो शिक्षकों और विद्यार्थियों को शर्मसार और क्रोधित कर देते हैं। अधिकांश स्कूलों में शौचालय बन चुके हैं, लेकिन सफाई कर्मचारी नहीं होने से यह काम कौन करता है? यह सोचकर सरकार की नादानी पर तरस आता है। बच्चों से शौचालय साफ करवाना भी अवैध है। इसके बाद सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से सरकार 25 प्रकार के गैरशैक्षणिक कार्य करवाती है। जिसको आम लोग बेगार कहते हैं। जैसे बच्चों के जाति प्रमाण पत्र, अनेक प्रकार के प्रमाण पत्र, स्कूल यूनिफॉर्म पेपर, कई प्रकार के छात्रवृत्ति पत्रक, आधार कार्ड, मेडिकल जांच, दवा वितरण, पुस्तक वितरण, वोटर लिस्ट बनाना, चुनाव कार्य, जनगणना, गांव और वार्डो में कई तरह की गणना, सर्वे , साइकल वितरण, अनेक आकस्मिक कार्य के साथ-साथ वर्ष में एक महीने या 15 दिन का शैक्षणिक प्रशिक्षण आदि। उक्त गैर शैक्षणिक कार्यो के कारण सरकारी स्कूलों के शिक्षक चाहकर भी बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पाते। शिक्षा स्तर को चौपट करने में कक्षा पहली से 8 वी तक के सभी बच्चों को पास करने की नीति अत्यंत घातक सिद्ध हो रही है। इसके अलावा कक्षा 5 वी और 8 वी की बोर्ड परीक्षा को समाप्त किया गया है, यह भी बहुत निंदनीय कार्य था। इससे गरीबों के 5 वी पास बच्चे अनपढ़ नजर आते हैं। जो सरकारी शिक्षा शास्त्रियों की बदनीयती का प्रमाण है। इसके बाद केन्द्र सरकार शिक्षा के बजट में लगातार कटौती कर रही है, जिससे सरकार की घृणित मंशा का खुलासा होता है।

धान खरीदी केन्द्र से अबैध वसूली की मांग करते नेता जी का आडियो हुआ वायरल

सिवनी यशोः- कान्हीवाड़ा खरीदी केन्द्र के प्रभारी डहेरिया को एक राजनैतिक व्यक्ति अपनी दो सौ क्विंटल धान पुरानी तिथि में खरीदने का दबाव बना रहा है । जबकि उक्त राजनैतिक व्यक्ति द्वारा खरीदी केन्द्र में अंतिम दिन तक धान नहीं भेजी गयी है यहाँ बता दें कि धान खरीदी की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है परंतु उक्त राजनैतिक व्यक्ति अपने खाते की धान बिना धान दिये दर्ज कराने का दबाव दे रहा है । इस पूरे प्रकरण का आडियों रिकार्ड भी हुआ है । प्राप्त आडियों में राजनैतिक व्यक्ति खरीदी केन्द्र डहेरिया जी से कह रहा है कि उनकी धान खरीद ली गयी है यह खरीदी के पोर्टल में शो कर दें तो खरीदी केन्द्र के डहेरिया का कहना है कि वह ऐसा कैसे कर सकते है धान दो लाख की होती है और दो सौ क्विंटल धान का स्टाक वह कहाँ से दिखायें, खरीदी केन्द्र का प्रभारी कह रहा है कि अभी तक तो आपकी धान आयी नहीं है और हमारे केन्द्र की जाँच भी चल रही है वह ऐसा नहीं कर सकते तो दूसरी ओर से बोल रहे राजनैतिक द्वारा डहेरिया को धमकी दी जा रही है कि तु महरा विधायक जीत गया तो तुम सबके भाव बढ़ गये है ।

धान की खरीदी शो कर दो नहीं तो तु हारी स पत्ति की जाँच करवा दूंगा ।

जो आडियों प्राप्त हुआ है उसमें किसी तीसरे नेता की आवाज भी है जो डहेरिया पर दबाव बना रहे है । जबकि खरीदी कार्य में लगे हुये डहेरिया का कहना है कि आपकी धान खरीदी केन्द्र पर आयी नहीं और आप भेज नहीं रहे तो फर्जी तरीके से कैसे खरीदी शो कर दें ।

जो आडियो प्राप्त हुआ है उसके अनुसार राजनैतिक व्यक्ति बिना धान दिये दो क्विंटल धान का भुगतान लेना चाहते है और आडियों में की गयी बाते स्पष्ट कर रही है कि धान खरीदी कार्य में लगे व्यक्ति से दो सौ िवंटल धान की राशि अवैध रूप से मांगी जा रही है ।

प्राप्त आडियों रिकार्डिंग में कितनी सच्चाई है यह जाँच का विषय हो सकता और दैनिक यशोन्नति इस प्रकार के आडियों की पुष्टि नहीं करता परंतु रिकार्डिंग के आधार पर कहा जा सकता है कि धान खरीदी केन्द्रों में भारी गड़बड़ हो रही है और यहाँ से राजनैतिक प्रभुता प्राप्त व्यक्ति मोटी रकम वसूल रहे है ।

जबरन नॉलेज

एकादशी पर नगर के बैनगंगा नदी पुल घाट में 2100 दीपक जलाकर होगी महाआरती

होंगे विविध आयोजन

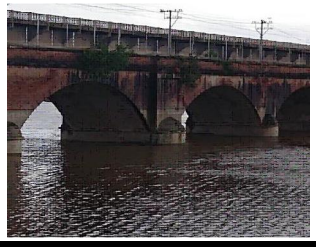

छपारा यशोः- अयोध्या के राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रविवार 21जनवरी को पड़ने वाली एकदाशी के नगर के मां वैनगंगा तट मैं मां वैनगंगा महाआरती समिति द्वारा भव्य आयोजन किए जा रहे हैं, समिति के सदस्यों ने बताया कि एकादशी दिन रविवार को शाम 5 बजे रामघाट गोल्डन टेंपल के पास आगामी 21 जनवरी रविवार को प्रत्येक माह की एकादशी की तरह

बैनगंगा नदी तट पर महाआरती काशी की तर्ज पर शुरू की गई है इसको भव्य रूप देते हुए पिछले दो माह से आयोजित की जा रही है आगामी एकादशी के दिन और भव्यता लाने के लिए समिति द्वारा नदी तट पर 2100 दीपमालाएं मां बैनगंगा को अर्पित किए जाएंगे इसके साथ ही भगवान श्री राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान की सजीव झांकी मांझी ढीमर समाज द्वारा नदी के एक तट से दूसरे तट नाव के द्वारा पहुचाई जायेगी जिसकी अगवानी नगर की ब्राह्मण समाज के द्वारा शंखनाद ध्वनि से की जावेगी और उसके पश्चात महा आरती का आयोजन किया जायेगा समिति ने हर बार की तरह इस बार भी नगर वासियों से आह्वान किया कि सभी श्रद्धालू भक्त इस कार्यक्रम मैं शामिल होकर इस अवसर को यादगार बनाए।

प्राण प्रतिष्ठा पूजन का प्रथम दिन

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थान पर निर्मित श्री राम मन्दिर में 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अन्तर्गत 16 जनवरी को अनिल मिश्रा ने सांगोपांग सर्व प्रायश्चित्त किया तथा सरयू नदी में स्नान किया. विष्णु पूजन करके पञ्चगव्य एवं घी से होम कर पंचगव्यप्राशन किया. द्वादशाब्द पक्ष से प्रायश्चित स्वरूप गोदान किया. दशदान के पश्चात मूर्ति-निर्माण स्थान पर कर्मकुटी होम किया.

यह कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हुआ. हवन के समय आचार्य वैदिक प्रवर लक्ष्मीकान्त दीक्षित जी स्वयं उपस्थित रहे. मण्डप में वाल्मीकि रामायण व भुशुण्डिरामायण का पारायणार भ हुआ. 17 जनवरी बुधवार को अपराह्न 1:20 के पश्चात जलयात्रा, तीर्थपूजन, ब्राह्मण-बटुक- कुमारी -सुवासिनी पूजन, वर्धिनीपूजन, कलशयात्रा एवं भगवान श्री रामलला की मूर्ति का प्रासाद परिसर में भ्रमण होगा.

प्राण प्रतिष्ठा पूजन का प्रथम दिन
अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थान पर निर्मित श्री राम मन्दिर में 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अन्तर्गत 16 जनवरी को अनिल मिश्रा ने सांगोपांग सर्व प्रायश्चित्त किया तथा सरयू नदी में स्नान किया. विष्णु पूजन करके पञ्चगव्य एवं घी से होम कर पंचगव्यप्राशन किया. द्वादशाब्द पक्ष से प्रायश्चित स्वरूप गोदान किया. दशदान के पश्चात मूर्ति-निर्माण स्थान पर कर्मकुटी होम किया.
यह कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हुआ. हवन के समय आचार्य वैदिक प्रवर लक्ष्मीकान्त दीक्षित जी स्वयं उपस्थित रहे. मण्डप में वाल्मीकि रामायण व भुशुण्डिरामायण का पारायणार भ हुआ. 17 जनवरी बुधवार को अपराह्न 1:20 के पश्चात जलयात्रा, तीर्थपूजन, ब्राह्मण-बटुक- कुमारी -सुवासिनी पूजन, वर्धिनीपूजन, कलशयात्रा एवं भगवान श्री रामलला की मूर्ति का प्रासाद परिसर में भ्रमण होगा.

लोकनायक श्रीराम 1 : जब कभी समाज में आसुरी प्रवृत्ति जन्म लेगी, तब यह सज्जन शक्ति प्रतीक्षा करेगी परमपिता परमेश्वर के किसी अवतार की

प्रशांत पोळ

कालचक्र की गति तेज है. वह घूम रहा है. घूमते - घूमते पीछे जा रहा है. बहुत पीछे. इतिहास के पृष्ठ फड़फड़ाते हुए हमें ले चलते हैं त्रेतायुग में. कई हजार वर्ष पीछे.

इस त्रेता युग में पृथ्वी पर एक बहुत बड़ा भू-भाग है, जिसे आर्यावर्त नाम से जाना जा रहा है. यह प्रगत मानवी संस्कृति का क्षेत्र है. समृद्ध देश है. उच्चतम एवं उदात्त मानवी भाव-भावनाओं से समाज प्रेरित है. समाज में ज्ञान की लालसा है. अध्ययनशील विद्यार्थी है. नए-नए ग्रंथ लिखे जा रहे हैं. उन्नत ऐसी ऋषि संस्कृति का समाज पर प्रभाव है. यज्ञ - याग हो रहे हैं. वायुमंडल और समाज जीवन, दोनों में शुद्धता की सतत प्रक्रिया चल रही है. देवाधिदेव, पृथ्वी पर स्थित इस आर्यावर्त को निहार रहे हैं. इस पर विचरण करने की आकांक्षा रख रहे हैं.

इस आर्यावर्त में, सरयू नदी के किनारे बसा हुआ एक बहुत बड़ा जनपद है, जो %कोशल% नाम से वि यात है. यह समृद्ध है. धन-धान्य से सुखी है. आनंदी है.

कोसलो नाम मुदितः स्फीतो जनपदो महान् ।
निविष्टः सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान् ॥5॥
(वाल्मीकि रामायण / बालकांड / पांचवा सर्ग)

इस जनपद की राजधानी है - अयोध्या. समूचे आर्यावर्त में वि यात है. अयोध्या, जहां युद्ध नहीं होता. श्रेष्ठतम नगरी, जिसे स्वयं मनु महाराज ने बनाया और बसाया है.

अयोध्या नाम नगरी तत्रासील्लोकविश्रुता ।
मनुना मानवेन्द्रेण या पुरी निर्मिता स्वयम् ॥6॥
(बालकांड / पांचवा सर्ग)

यह नगरी अति विशाल है . भव्य है. 12 योजन (अर्थात 150 किलोमीटर) लंबी है और 3 योजन (अर्थात 38 किलोमीटर) चौड़ी है. इस नगरी में विस्तीर्ण राजमार्ग है. लता - वृक्ष, फल - फूलों से यह नगरी सुशोभित है. इस नगरी के चारों ओर गहरा खंदक खुदा हुआ है. सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था है. इस नगरी के लोग उद्यमी हैं. कला प्रेमी है. नृत्य - गान - संगीत - नाटक में परिपूर्ण है. सभी नागरिक धर्मशील, संयमी, सदा प्रसन्न रहने वाले तथा चारिर्त्यवान है.

ऐसी पवित्र और संपन्न नगरी जिसकी राजधानी है, ऐसे कोशल जनपद पर, महा पराक्रमी राजा दशरथ राज्य कर रहे हैं. जिस प्रकार आकाशपट पर, सारे नक्षत्रलोक में चंद्रमा राज करता है, उसी प्रकार, शीतल, सुखद शासन राजा दशरथ का है.

तां पुरीं स महातेजा राजा दशरथो महान् ।
शशास शमितामित्रो नक्षत्राणीव चन्द्रमाः ॥27॥
(बालकांड / छठवा सर्ग)

चंडप्रतापी राजा दशरथ, अपने अष्टप्रधानों के साथ लोक कल्याणकारी राज्य चला रहे हैं. उनके सभी आठो मंत्री यह उच्च गुणों से और शुद्ध विचारों से ओतप्रोत है. यह मंत्री है - धृष्टि, जयंत, विजय, सौराष्ट, राष्ट्रवर्धन, अकोप, धर्मपाल और सुमंत्र. इनमें, सुमंत्र यह अर्थशास्त्र के ज्ञाता है तथा राज्यकोषीय व्यवहार देख रहे हैं.

यह सारे मंत्री, एक विचार से, देश हित के लिए प्रेरित है. यह सभी विनय संपन्न है. शस्त्र विद्या के ज्ञाता है. सुदृढ़ और पराक्रमी है. इनके सिवा सुयज्ञ, जाबालि, कश्यप, गौतम, दीर्घायु, मार्कंडेय और कात्यायन यह ब्रह्मर्षि भी राजा दशरथ के मंत्री है. ऐसे मंत्रियों के साथ, गुणवान राजा दशरथ, कोशल का शासन कर रहे हैं.

ईदृशैस्तैरमात्यैश्च राजा दशरथोऽनघः ।
उपपन्नो गुणोपेतैरन्वशासद् वसुन्धराम् ॥20॥
(बालकांड / बीसवां सर्ग)

किंतू...

किंतु आर्यावर्त में सभी कुछ ठीक नहीं चल रहा है. अयोध्या तो सुरक्षित है. किंतु अयोध्या के बाहर, न केवल कोशल जनपद में, वरन् समूचे आर्यावर्त में, एक दहशत की काली छाया छाई हुई है. सज्जन शक्ति भयभीत है. ऋषि, मुनियों को, ब्रह्मर्षियों को यज्ञ - याग करना भी कठिन हो रहा है. किसी भी शुभ कार्य में आसुरी शक्तियों के विघ्न डालने का भय लगातार बना हुआ है.

इस दहशत का केंद्र बिंदु है - रावण. सुदूर दक्षिण में, सिंहल द्वीप अर्थात लंका का राजा. पुलस्त्य मुनि जैसे विद्वान ऋषि का पौत्र और वेदविद् विश्रवा का पुत्र. परम शिव भक्त. किंतु अन्यायी, क्रोधी और कपटी राजा. सज्जन शक्ति को कष्ट देने में आसुरी आनंद प्राप्त करने वाला.

इस रावण ने सारे आर्यावर्त में अपने क्षत्रप बनाकर रखे हैं. यह सभी क्षत्रप दानवी प्रवृत्ति के, आसुरी वृत्ति के है. नागरिकों का उत्पीड़न कर रहे हैं. उनसे धन की वसूली करते हैं. सामान्य नागरिकों का जीवन इन्होंने दूभर करके रख दिया है. पूरे आर्यावर्त की सज्जन शक्ति, रावण के इन आसुरी प्रवृत्ति के क्षत्रपों से भयभीत है. अत्यंत कष्ट में है.

यह सज्जन शक्ति प्रार्थना कर रही है, इस सृष्टि के रचयिता से, परमपिता परमेश्वर से, की %रावण नाम का राक्षस, आपका कृपा प्रसाद पाकर, अपने असीम बल से हम लोगों को अत्यंत पीड़ा दे रहा है. कष्ट दे रहा है. हम में यह शक्ति नहीं है, कि हम इसे परास्त करें. अतः आप ही कुछ कीजिए.%

भगवंस्त्वत्प्रसादेन रावणो नाम राक्षसः ।
सर्वान् नो बाधते वीर्याच्छासितुं तं न श नुमः ॥6॥
(बालकांड / पंद्रहवा सर्ग)

देवलोक में सृष्टि के निर्माता, सृष्टि के रचयिता, परमपिता परमेश्वर यह प्रार्थना सुन रहे हैं. वह पृथ्वी के पवित्र देश आर्यावर्त में रावण ने दस दिशाओं में मचाया हुआ उत्पात भी देख रहे हैं. रावण का आतंक, एक प्रकार से प्रत्यक्ष अनुभव भी कर रहे हैं. सज्जन शक्ति को हो रहे कष्ट भी देख रहे हैं.

इन सब को देखते हुए. सृष्टि के रचयिता यह तय कर रहे हैं कि आर्यावर्त के नागरिकों को निर्भय होकर जीवन यापन करने के लिए रावण का विनाश अवश्यंभावी है. किंतु यह विनाश किसी चमत्कार से नहीं होगा, ऐसा परमपिता परमेश्वर ने तय किया है. नरसिंह अवतार में चमत्कार आवश्यक था, कारण हिरण्यकशपू में ऐसी दानवी शक्ति निर्माण हुई थी, जिसे किसी सामान्य व्यक्ति के द्वारा नष्ट करना संभव नहीं था.

किंतु इस बार नहीं.

इस बार कोई चमत्कार नहीं. यदि इस बार भी चमत्कार से रावण को नष्ट करते हैं, तो सज्जन शक्ति निष्क्रिय हो जाएगी. जब कभी समाज में आसुरी प्रवृत्ति जन्म लेगी, तब यह सज्जन शक्ति प्रतीक्षा करेगी परमपिता परमेश्वर के किसी अवतार की. वह प्रत्यक्ष संघर्ष नहीं करेगी.

यह उचित नहीं है. इस सज्जन शक्ति के आत्मविश्वास को जगाना होगा. उनमें यह विश्वास निर्माण करना होगा की सारी सज्जन शक्ति यदि एक होती है, संगठित होती है, तो किसी भी बलशाली दानवी शक्ति को परास्त कर सकती है. परमपिता परमेश्वर के अंश इसमें माध्यम बनेंगे. किंतु सारा संघर्ष करेगी सज्जन शक्ति.

बस तय हो गया. भगवान अवतार अवश्य लेंगे. किंतु किसी चमत्कार के बगैर. वे तो संगठित सज्जन शक्ति मे देवत्व का संचार करने का कार्य मात्र करेंगे. इसके लिए वे माध्यम बनेंगे, आर्यावर्त की पवित्र नगरी अयोध्या के चंडप्रतापी राजा दशरथ के पुत्र के रूप में. श्रीराम के रूप में.

शिक्षा का संबंध जीवन के विकास से होता है : श्री इंदुमती काटदरे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना विषय पर हुआ व्या यान

भोपाल । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिशु शिक्षा की भारतीय संकल्पना विषय पर व्या यान का आयोजन सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान हर्षवर्धन नगर में हुआ।

कार्यक्रम की मु य वक्ता सुश्री इंदुमती काटदरे कुलपति पुनरुत्थान विद्यापीठ थीं।

उन्होंने अपने अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरक उद्बोधन में कहा कि एनईपी 2020 हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति है जिसमें हमारे राष्ट्रीय मूल्य, परंपराएं और चिंतन शामिल हैं। अभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रारंभिक अवस्था है जो आने वाले वर्षों में इस नीति के सुगठित और व्यापक क्रियान्वयन से अच्छे और प्रभावी परिणाम आएंगे। विद्या भारती का इस शिक्षा नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का संबंध जीवन विकास से है। गर्भाधान से ही शिशु की शिक्षा प्रारंभ हो जाती है और जीवन के विकास का वीजारोपण हो जाता है। 5 वर्ष तक की अवस्था में शिशु संस्कारों का संगोपन ठीक प्रकार से होना चाहिए। बालक की प्रथम गुरु माता होती है और शिशु के विकास की शुरु आत घर से ही होती है।

सुश्री इंदु काटदरे ने कहा कि विद्याभारती की शिशु वटिका भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान पर आधारित है। इसका सूत्र लालयेत् पञ्च वर्षाणि, ताडयेत् दश वर्षाणि। प्राप्ते स प्राप्ते षोडशे वर्षे पुत्रं मित्र समाचरेत। %अर्थात 5 वर्ष की आयु तक बच्चों का लालन पालन उसकी इच्छा का स मान करते हुए भयमुक्त वातावरण में प्रेरणादायी शिक्षा के माध्यम से करना चाहिए। घर और विद्यालय में इस उम्र का शिशु व्यवहार व मनोभावों से सीखता है। इसलिए बड़ों को बहुत सावधान रहना चाहिए। बच्चों में सीखने की स्वाभाविक इच्छा उनके अंतःकरण में होती है। वह वातावरण में रहते हुए अनुकरण से सीखते हैं। अतः परिवार और शिक्षक बच्चों को वातावरण से सिखाएं, उनके सीखने में आने वाले अवरोधों को दूर करें।

शिक्षकों का हृदय मातृ हृदय होना चाहिए 10 वर्षाणि ताड़येत अर्थात शिशु अवस्था के अगले 10 वर्षों में नियम, संयम, आज्ञा पालन, इंद्रिय संयम, मन की शिक्षा, आज्ञा पालन और अनुशासन का पालन आवश्यक है। दैनिक क्रियाकलाप में संस्कारप्रद भारतीय दर्शन पर आधारित क्रियाकलाप जैसे की गीत, संगीत, खेल के साधन, कथा कहानी से शिशु को संस्कारों से विकसित करें। अभिभावक का भी इस दृष्टि से प्रबोधन आवश्यक है। शिशु शिक्षा की सद्गति यही है की माता-पिता और घर का वातावरण स्वयं शिशु संस्कार और शिक्षा का संगोपन करने में सक्षम हों तभी समर्थ पीढ़ी और राष्ट का निर्माण हो सकेगा।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रविंद्र कान्हेरे ने दिया। इस व्या यान माला में विशिष्ट अतिथि श्री बनवारी लाल से सेना, श्री श्रीराम जी आरावकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री विद्या भारती, श्री शशिकांत फड़के ग्रामीण शिक्षा राष्ट्रीय सहसंयोजक, श्री भालचंद रावले क्षेत्रीय संगठन मंत्री, श्री निखिलेश महेश्वरी प्रांत संगठन मंत्री , श्री शिरोमणि दुबे प्रांत सचिव, प्रोफेसर नीलाभ तिवारी सचिव सचिव सहित मध्य भारत प्रांत के प्रधानाचार्य, आचार्य,दीदी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांत प्रमुख डॉ रामकुमार भावसार ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार श्री चंद्रहंस पाठक ने व्यक्त किया।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू में अनुभूति शिविर

बच्चों को दिखाई गई वाघ फिल्म

भोपाल । वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम 2023-24 के अंतर्गत वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण-सह-जागरूकता शिविर के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आज 18 जनवरी को तृतीय शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सेम कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल भोपाल के 120 विद्यार्थियों एवं 4 शिक्षक सहित कुल 124 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिविर में स मिलित हुए प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बैग, कैप, पठनीय सामग्री, स्टीकर, पेन, ब्रोशर और बैच प्रदान किये गये। विद्यार्थियों को पक्षी-दर्शन, वन्य-प्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण एवं वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई तथा जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। नवाचार के रूप में रेस्‍ यू गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें बगैर सिले कपडे से थैला बनाने की विधि सिखाई गई। इसके पश्चात प्रतिभागियों को छोटे समूहों में बांटकर पर्यावरण से संबंधित रोचक खेल जैसे फुड वेव, मैं कौन हूँ% अंतर्गत प्रतिभागियों द्वारा बाघ, सिंह, तेंदुआ आदि वन्य-प्राणियों के बारे में पहचान की गई एवं उसके बारे में बताया गया तथा बाघ के बारे में एक फिल्म भी दिखाई गई। स्पॉट क्विज में प्रथम मिथाली गांगिल, द्वितीय रूतुजा कापगेटे एवं तृतीय श्रुतिका बोरकर रहीं। विद्यार्थियों को वन्य-प्राणियों को कैसे रेस्‍ यू किया जाता है, इसके स बंध में रेस्‍ यू वाहन के माध्यम से रेस्‍ यू टीम द्वारा अवगत कराया गया। शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं को औषधीय पौधों संबंधी जानकारी म.प्र. राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा प्रदाय किये गये से पल के माध्यम से दी गई। कार्यक्रम के अंत में शिविर में स मिलित बच्चों को शपथ दिलाई जाकर पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र वितरण किये गये।

अनुभूति कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर के रूप में श्री ए.के. खरे, सेवानिवृत उप वन संरक्षक उपस्थित रहे। कै प का संचालन सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा द्वारा किया गया। इस दौरान श्रीमती पदमाप्रिया बालाकृष्णन, संचालक वन विहार, श्री राहुल सिंह इकाई प्रभारी सफारी एवं श्री विजय नंदवंशी बायोलॉजिस्ट तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आसुरी शक्तियों से रक्षा करने विश्वामित्र सहित गये प्रभु श्री राम

प्रशांत पोळ

सृष्टि के पालनकर्ता, सर्वव्यापी नारायण ने निर्णय लिया है, रावण जैसी आसुरी शक्ति के निर्दालन के लिए, ईश्वाकु कुल के वंशज, राजा दशरथ के पुत्र के रूप में माध्यम बनने का.

राजा दशरथ इसी समय पुत्रकामेष्टि यज्ञ कर रहे हैं. ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में एक तेजस्वी प्राजापत्य पुरुष, राजा को पायस (खीर) देता है, राजा की तीन रानियों के लिए. तीनों साध्वी रानियां, इस पायस का प्रसाद के रूप में प्राशन करती है. कालांतर में तीन रानियों को चार पुत्र होते हैं. माता कौशल्या को श्रीराम के रूप में तेजस्वी पुत्र होता है. रानी सुमित्रा को लक्ष्मण और शत्रुघ्न यह यमल (जुड़वा) पुत्र होते हैं. कैकेई भरत को जन्म देती है.

राजा दशरथ अत्यंत आनंदित है. कोशल जनपद को चार युवराज मिले हैं. अयोध्या में भव्यतम उत्सव हो रहा है. अयोध्या समवेत पूरे कोशल जनपद के नागरिक, अपने राजकुमारों का जन्मोत्सव मना रहे हैं. कालचक्र सीधा, सरल घूम रहा है.

चारों राजकुमार बड़े हो रहे हैं. उन्हें सभी प्रकार की शिक्षा, विद्वान शिक्षकों द्वारा दी जा रही है. सभी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रशिक्षण चल रहा है. प्रजा के लिए चलने वाले कार्य, नगर रचना, कोषागार की व्यवस्था, कर संग्रहण, न्याय दान इन सभी विषयों में, ये चारों युवराज निपुण हो रहे हैं. इन सब में राम की अलग पहचान दिख रही है. बाकी तीनों भाई, श्रीराम को अत्यंत आदर के साथ स मान दे रहे हैं. उनकी हर एक बात को मान रहे हैं.

श्रीराम सभी विषयों में सबसे आगे हैं. अपने सभी भाइयों की चिंता कर रहे हैं. अत्यंत मृदु स्वभाव, संयमित आचरण, बड़ों के प्रति, शिक्षकों के प्रति, ऋषि - मुनियों के प्रति अत्यधिक आदर, यह श्रीराम की विशेषता है. किंतु इन तीन भाइयों में, शत्रुघ्न के युग्म, लक्ष्मण, श्रीराम के प्रति विशेष अनुराग रखते हैं. श्रीराम इन्हें प्राण से भी प्रिय है. श्रीराम भी लक्ष्मण के बिना भोजन नहीं लेते हैं.

लक्ष्मणो लक्ष्मी स पन्नो बहिः प्राण इव अपराः ।
न च तेन विना निद्राम् लभते पुरुषोत्तमः ॥30॥
(बालकांड / अठारहवा सर्ग)

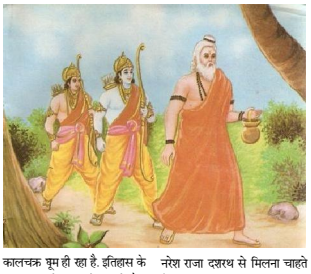

कालचक्र घूम ही रहा है. इतिहास के पृष्ठ फड़फड़ाते हुए आगे बढ़ रहे हैं. यह चारों राजकुमार अब यौवन में प्रवेश कर रहे हैं. सभी अस्त्र-शस्त्र-शास्त्रों में यह निपुण हो गए हैं. विशेषतः श्रीराम और लक्ष्मण की धनुर्विद्या तथा शस्त्रास्त्रों का कौशल, सारे कोशल जनपद में चर्चा का विषय है. अयोध्या के नागरिक, श्रीराम की न्यायप्रियता की प्रशंसा कर रहे हैं.

ऐसे समय, एक दिन राजा दशरथ के प्रातः कालीन सभा में सूचना आती है कि कुशिक वंशी, गाधी पुत्र, विश्वामित्र आए हैं तथा वे अवध नरेश राजा दशरथ से मिलना चाहते हैं. राजा दशरथ थोड़े असहज होते हैं. इसलिए नहीं की ऋषि विश्वामित्र के आने का उन्हें आनंद नहीं; वे असहज होते हैं, कारण विश्वामित्र यह कठोर व्रत का पालन करने वाले तपस्वी है. वे तेजस्वी है. तपःपुंज है. उन्हें देखकर राजा दशरथ प्रसन्न होते हैं, तथा उन्हें विधिपूर्वक अर्घ्य अर्पण करते हैं. दोनों एक दूसरे का कुशल - मंगल - क्षेम पूछते हैं. पश्चात अवध नरेश दशरथ, मुनिश्री से पूछते हैं, ÷मुनिवर आपके दर्शन से आज मेरा घर तीर्थ हो गया. मैं मानता हूं कि आपके दर्शन मात्र से मुझे पुण्यक्षेत्रों की यात्रा करने का भाग्य मिला है. विदित कीजिए, आपके शुभागमन का उद्देश्य या है ?÷

राजा दशरथ की यह वाणी सुनकर, मुनिवर प्रसन्न होते हैं. वह कहते हैं, ÷हे अवध नरेश, आपकी यह वाणी, आप जैसे चंडप्रतापी राजा को ही शोभा देती है. अब मैं मेरे आगमन का उद्देश्य विदित करता हूं÷

÷हे पुरुषप्रवर, मैं कुछ विशिष्ट ज्ञान एवं सिद्धि प्राप्ति हेतु एक अनुष्ठान कर रहा हूं. किंतु इस अनुष्ठान में कुछ दानवी शक्तियां विघ्न डाल रही है. विशेषतः दो राक्षस, मेरे अनुष्ठान को बंद करा रहे हैं. वह हैं - मारीच और सुबाहू. यह दोनों बलवान और शिक्षित भी है. किंतु मेरा अनुष्ठान पूर्ण होने में बाधक बन रहे हैं.÷

व्रते मे बहुशः चीर्णे समाप्त्याम् राक्षसाविमौ ।
मारीचः च सुबाहुः च वीर्यवन्तौ सुशिक्षितौ ॥5॥
(बालकांड / उन्नीसवां सर्ग)

÷हे राजन, इन राक्षसों ने मेरी यज्ञ वेदी पर रक्त और मांस की वर्षा कर दी है. इस कारण मेरा सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया. अतः मैं निरुत्साही होकर आपके पास आया हूं. राजन, यह दोनों राक्षस, आतंक के पुरोधा, रावण के क्षत्रप है. पूरे आर्यावर्त में आज इन दानवों का आतंक है.÷

÷हे नृपश्रेष्ठ, मेरे अनुष्ठान को निर्विघ्नता से संपन्न कराने हेतु मैं आपके जेष्ठ पुत्र श्रीराम को मांगने आया हूं. हे भूपाल, मेरा विश्वास है, इन रघुनंदन के सिवा दूसरा कोई पुरुष, इन राक्षसों को मारने का साहस नहीं कर सकता.÷

मुनिश्रेष्ठ विश्वामित्र के यह वचन सुनते ही राजा दशरथ कांप उठते हैं. %रावण के ऐसे दुराचारी और कपटी दानवों के सामने मैं अपने युवा पुत्र को कैसे भेजूं?% राजा दशरथ संज्ञाशून्य (मूर्छित) हो जाते हैं. कुछ पलों में सचेत होने पर, अत्यंत विनम्रता से बोलते हैं, ÷ हे महर्षि, मेरा कमलनयन राम तो अभी सोलह वर्ष का भी नहीं हुआ है. उसे मैं इन राक्षसों से युद्ध करने कैसे भेज सकता हूं?÷

ऊनषोडशवर्षो मे रामो राजीवलोचनः ।
न युद्धयोग्यतामस्य पश्यामि सह राक्षसैः ॥2॥
(बालकांड / बीसवां सर्ग)

राजा दशरथ के मुनिश्रेष्ठ विश्वामित्र से प्रार्थना करते हैं कि उनके पास अक्षौहिणी सेना है. अत्यंत कुशल, शूरवीर सैनिक है, जो राक्षसों से लड़ने की क्षमता रखते हैं. ÷इन्हें ले जाइए. आवश्यकता पड़े, तो मैं स्वयं आपके यज्ञ की रक्षा के लिए आ सकता हूं. किंतु राम को ले जाना उचित नहीं होगा.÷

राजा दशरथ के यह बोल सुनकर विश्वामित्र पुनश्च कहते हैं, ÷महाराज, यह क्षत्रप उस राक्षसराज %रावण% के हैं, जो पुलस्त्य कुल में उत्पन्न हुआ है. वह निशाचर, संपूर्ण आर्यावर्त के निवासियों को अत्यंत कष्ट दे रहा है. यह महाबली दुष्टात्मा, स्वयं यज्ञ में विघ्न डालने को तुच्छ कार्य समझता है. इसलिए उसने मारीच और सुबाहु जैसे अपने क्षत्रपों को भेजा है.÷

पौलस्त्यवंशप्रभवो रावणो नाम राक्षसः ।
स ब्रह्मणा दत्तवरस्त्रैलो यं बाधते भृशम् ॥16॥
(बालकांड / बीसवां सर्ग)

मुनिश्रेष्ठ विश्वामित्र के यह वचन सुनकर राजा दशरथ दुखी हो जाते हैं. वे कहते हैं, ÷रावण के ऐसे क्षत्रपों के सामने, शायद मैं भी नहीं टिक सकूंगा, तो मेरा पुत्र कैसा सामना कर सकेगा ?÷

यह सुनना था, कि विश्वामित्र कुपित हो उठते हैं. स्थिति को संभालते हुए धीर चित्त महर्षि वशिष्ठ, राजा को समझाते हैं कि %अयोध्या के बाहर इन दानवी शक्तियों का आतंक है. ऋषि - मुनि भी अपना यज्ञ - याग, अनुष्ठान पूर्ण करने में असमर्थ है, तो सामान्य जनों की या स्थिति होगी, यह हम समझ सकते हैं. इस आतंक से हमें विश्वामित्र जैसे मुनिश्रेष्ठ को बचाना होगा. इसलिए श्रीराम का जाना उचित होगा. श्रीराम बलशाली है तथा सारी विद्याओं मे तथा विधाओं में निपुण है. अतः श्रीराम को भेजना ठीक रहेगा.%

वशिष्ठ मुनि की वाणी सुनकर राजा दशरथ, श्रीराम को भेजने तैयार होते हैं. साथ में लक्ष्मण जाने में रुचि दिखाते हैं. अतः श्रीराम - लक्ष्मण यह विश्वामित्र मुनि के साथ जाएंगे, यह निश्चित होता है.

राजा दशरथ अत्यंत प्रसन्नचित होकर श्री राम लक्ष्मण को विश्वामित्र को सौंप देते हैं. अब यह तीनों, अन्य ऋषि मुनियों के साथ यज्ञ स्थल की ओर रवाना होते हैं

कले टर ने की पीएचई विभाग की समीक्षा

मंडला यशोः- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि विभागीय अमला संचालित तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग करें। जो नलजल योजनाएं बंद हैं उनमें आवश्यकतानुसार सुधार कराते हुए प्रारंभ कराएं। इसी प्रकार जल जीवन मिशन की निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने का प्रयास करें। कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कले टर ने कहा कि समुचित प्रगति नहीं देने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्यवाही करें। विभागीय अधिकारी, कर्मचारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण करें तथा जियो टैग फोटो सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। डॉ. सिडाना ने कहा कि ग्रामों का भ्रमण कर ही पुनरीक्षित डीपीआर बनाएं। इसी प्रकार पीवीटीजी ग्रामों में परियोजनाओं की स्वीकृति, टेंडर की प्रक्रिया होने तक स्त्रोत चिन्हांकन सहित अन्य कार्यवाहियां पूर्ण करें। बैठक में कले टर ने हेंडपंप सुधार, घर घर कने शन सहित अन्य विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में ईईपीएचई मनोज भास्कर सहित समस्त सहायक यंत्री तथा उपयंत्री उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का कले टर ने किया निरीक्षण

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार 19 जनवरी को निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज भवन, हॉस्टल, पहुंच मार्ग तथा अन्य प्रगतिरत कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुये निर्माण एजेंसी एवं लोक निर्माण विभाग पीआईयू के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण ऐजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा सभी कार्यों को मानक गुणवत्ता अनुरूप पूर्ण करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग पीआईयू, निर्माण ऐजेंसी के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति भी रही।

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर ब्लॉक काँग्रेस कमेटी की बैठक 21 जनवरी को

सिवनी यशोः- आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर विधानसभावार बैठकें आयोजित होना है, इसी तारत य में मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत केवलारी विधानसभा की बैठक दिनाँक 21 जनवरी दिन रविवार को सुबह 11 बजे से कार्यालय ब्लॉक काँग्रेस कमेटी केवलारी में एवँ लखनादौन विधानसभा की बैठक 21 जनवरी दिन रविवार को दोप. 2 बजे से कार्यालय ब्लॉक काँग्रेस कमेटी लखनादौन में आयोजित है।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजिक अकील द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से मंडला लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी पूर्व विधायक(;मऊगंज रीवा)श्री सुखेन्द्र सिंह बन्ना जी, मध्यप्रदेश काँग्रेस कमेटी के महामंत्री एवँ जिले के प्रभारी चौधरी ग भीर सिंह जी, सह.प्रभारी श्री राजेन्द्र चौधरी जी, केवलारी विधानसभा के प्रभारी श्री संजय छोटे लाल उइके जी, लखनादौन विधानसभा के प्रभारी श्री अरुण पवार जी, लखनादौन विधानसभा के विधायक योगेन्द्र सिंह बाबा जी, केवलारी विधानसभा के विधायक श्री रजनीश सिंह जी उपस्थित रहेंगे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने बैठक में आमंत्रित समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों को विधानसभावार आयोजित बैठक में केवलारी एवँ लखनादौन विधानसभा के सभी जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, संगठन मंत्री, मंडलम अध्यक्ष,से टर अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष,बी एल ए, मोर्चा संगठन, विभाग व प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी,,जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, केवलारी एवँ लखनादौन नगर परिषद के कांग्रेस पार्षद एवं परिषद चुनाव में पार्षद पद के प्रत्याशियों एवं समस्त कांग्रेस जनो से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थिति हेतु अपील की है।

"विकसित भारत संकल्प यात्रा" के माध्यम से विभिन्न योजनाओं से पात्र हितग्राही हो रहे लाभांवित

सिवनी यशोः- केन्द्र एवं प्रदेश शासन द्वारा शतप्रतिशत हितग्राहियों को शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभांवित करने के उद्देश्य से स पूर्ण प्रदेश में "विकसित भारत संकल्प यात्रा" संचालित की जा रही है। इसी परिपेक्ष्य में जिले में संचालित यात्रा के माध्यम से ग्राम पंचायतवार एवं वार्डवार शिविरों का आयोजन कर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही योजनाओं के लाभ से छूटे पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर योजना से लाभांवित किया जा रहा है। शुक्रवार 19 जनवरी 24 %%विकसित भारत संकल्प यात्रा%% बरघाट विकासखण्ड की ग्राम पंचायत तिघरा एवं धपारा, छपारा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बकोडा एवं सागर, छपारा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मेहता एवं बरोदामाल, केवलारी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत खापाबाजार एवं डुंगरिया, कुरई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत परतापुर एवं तुईयापार, लखनादौन की ग्राम पंचायत भोरगढी, केवलारी, खमरियागोसाई, चुरका एवं निधानी पहुंची।

इसी तरह शनिवार 20 जनवरी 24 "विकसित भारत संकल्प यात्रा" बरघाट विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अमुरला एवं पनवास, छपारा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत जोगीवाडा एवं लुडगी, घंसौर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं अगरियाकला, केवलारी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत खैरा एवं मायरा, कुरई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत साखादेही एवं धोबीसर्रा, लखनादौन की ग्राम पंचायत गरघटिया, आमई, भजिया, एवं थांवरी पहुंचेगी।

इंदौर स्मार्ट सिटी को मिला सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी पुरस्कार

भोपाल । इंदौर स्मार्ट सिटी को स्मार्ट सिटीज़ इंडिया अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। दिल्ली के प्रगति मैदान में 17 से 19 जनवरी, तक आयोजित स्मार्ट सिटीज़ इंडिया ऐ सपो के पुरस्कार समारोह में यह स मान प्रदान किया गया। पुरस्कार इंदौर स्मार्ट सिटी के मु य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह और टीम ने ग्रहण किया। इंदौर स्मार्ट सिटी को स्वच्छता, नवाचार, अधोसंरचना विकास और परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार दिया गया है

कले टर सिंघल ने किया कबीर वार्ड क्षेत्र का निरीक्षण

देखी साफ-सफाई व्यवस्था

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर प्रतिदिन प्रातः काल में नगर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को कले टर श्री सिंघल ने कबीर वार्ड का निरीक्षण कर साफ सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने वार्ड के विभिन्न स्थानों का पैदल ही निरीक्षण कर साफ-सफाई का अवलोकन कर उपस्थित मु य नगरपालिका अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके उपरांत श्री सिंघल ने ड पिंग ग्राउंड पहुँचकर अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने व्यवस्थाओं को लेकर प्रभारी अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

चार कालोनाईजरों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के आदेश

सिवनी यशोः- अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत डोरली छतरपुर के अंतर्गत अवैध कालोनी के निर्माण की शिकायत को लेकर कुल 04 कालोनाईजर पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किये गये हैं। जिसमें कॉलीनाईजर श्री कुलदीप, श्री कुलदीप अगवाल, श्री मोतीलाल पटले एवं रामप्रसाद अडकने के विरूद्ध म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61 घ (1)(2)(3)(4)(5) के तहत संबंधित पुलिस थाने में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कराने के आदेश तहसीलदार सिवनी को दिये गये हैं।

कले टर सिंघल ने ली आबकारी विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक

ठेकेदारों को मदिरा दुकानों के आस-पास साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार 19 जनवरी को आबकारी विभाग एवं मदिरा दुकान ठेकेदारों की बैठक लेकर विभागीय समीक्षा करने के साथ-साथ साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थित ठेकेदारों को निर्देशित किया कि सभी मदिरा दुकानों के आस-पास सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जाये। दुकानों के परिसर के साथ-साथ आस-पास गंदगी न हो। इसकी व्यवस्था सभी ठेकेदार प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था सुनिश्चित करायें। कले टर श्री सिंघल द्वारा आबकारी राजस्व की भी समीक्षा की गई, समय सीमा में ड्यूटी प्राप्त होने पर सभी ठेकेदारों को प्रोत्साहित करते हुये आगामी समय में भी शासन को ड्यूटी जमा करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर कले टर श्री सी एल चिनाप, जिला आबकारी अधिकारी शैलेष जैन, निरीक्षक श्री प्रमोद धुर्वे सहित अन्य सभी विभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदारों की उपस्थिति रही।

अब प्रतियोगी परीक्षा में चयन होने पर सांत्वना पुरस्कार 2-2 हजार

कले टर ड़ॉ. मिश्रा ने बैठक कर परीक्षा आयोजन की तिथि बढ़ाई

बालाघाट। कले टर डॉ गिरिश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को आगामी समय में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के स बंध में बैठक आयोजित की। बैठक में परीक्षा तिथि तथा प्रवेश परीक्षा में चयनित होने वाले होनहार प्रतिभावों के स मान राशि प्रदान करने पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों के अलावा 5 विद्यार्थियों को 2-2 हजार रुपये की सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे। साथ ही अब परीक्षा 24 के स्थान पर 28 जनवरी को आयोजित करने के निर्देश दिए गए। प्रतियोगी परीक्षा में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 23 जनवरी निर्धारित की गई है। टेस्ट में

प्रथम आने वाले विद्यार्थी को 15, द्वितीय को 10 और तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थी को 5 हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सिविल सेवा की निःशुल्क तैयारी के लिए संचालित विकास हमर स मान निःशुल्क कोचिंग के तत्वाधान में एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के पैटर्न पर आधारित फुल लेंथ टेस्ट 28 जनवरी को सभी विकासखण्डों पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित किया जाएगा। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा के लिए सक्षम बनाने जिला प्रशासन विकास हमर स मान निशुल्क कोचिंग लासेस द्वारा टेस्ट कराया जा रहा है।अपर कले टर ओपी सनोडिया ने बताया है कि सभी छात्र छात्राओं को इस टेस्ट में शामिल होने के लिए स्वैच्छिक रूप से ऑनलाइन आवेदन करना होगा और ऑनलाइन आवेदन में 13 परीक्षा केंद्रो में से जिस परीक्षा केंद्र का चयन आवेदक द्वारा किया जाएगा, उसी परीक्षा केंद्र पर बैठने की अनुमति दी जाएगी। संयुक्त संचालक आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा रामलखन मीणा ने बताया है कि इच्छुक छात्र छात्राएं टेस्ट संबंधी जानकारी के लिए इस नंबर 7354439552 पर 23 जनवरी 2024 तक संपर्क कर सकते हैं।

सदगुरु कबीर समाज उत्थान समिति छपारा की त्रिवार्षिक बैठक एवं सामाजिक मिलन कार्यक्रम संपन्न

छपारा यशोः- मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सदगुरु कबीर समाज उत्थान समिति छपारा की त्रिवार्षिक बैठक एवं सामाजिक मिलन का कार्यक्रम सिवनी जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मोगली लैंड अमोदा गढ़ में लगभग 400 लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम सत्येश्वर सदगुरु कबीर साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर आरती एवं प्रार्थना की गई ।इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अवधिया वरिष्ठ अधिवक्ता सिवनी द्वारा समिति के प्रतिवेदन का वाचन किया गया तथा कोषाध्यक्ष श्री श्रीचंद अवधिया छपारा द्वारा 3 वर्ष के आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक में सर्वस मति से अगले 3 वर्षों के लिए समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें मुकेश कुमार अवधिया वरिष्ठ

अधिवक्ता भैरोगंज सिवनी को पुनःअध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष - मुकेश कुमार सोनी अमरवाड़ा, राजेंद्र कुमार अवधिया शिक्षक आदेगांव, विनोद कुमार अवधिया छपारा, शैलेंद्र कुमार अवधवाल भोमा, विनय कुमार अवधिया अधिवक्ता बरघाट , कनिष्ठ उपाध्यक्ष- रमेश कुमार अवधिया कांहीवाड़ा, मनोज कुमार अवधवाल बरघाट, संतोष कुमार अवधिया सिवनी, शंकर लाल गुप्ता हट्टा बालाघाट, अनिल कुमार अवधिया छपारा , अशोक कुमार अवधि पटेल छपारा, आशीष कुमार अवधवाल पिंडरई नैनपुर सचिव- महेंद्र कुमार अवधिया (LIC) भीमगढ़, सहसचिव- सत्येंद्र कुमार अवधिया भीमगढ़ , मनीष कुमार अवधिया कान्हीवाडा, आशीष कुमार अवधिया भीमगढ़ कॉलोनी, कोषाध्यक्ष- श्रीचंद अवधिया छपारा। सह कोषाध्यक्ष - महेंद्र अवधिया (पत्रकार)भीमगढ़, आशीष कुमार अवधिया पत्रकार छपारा, संगठन मंत्री - राजेंद्र कुमार अवधिया लखनादौन ,उत्तम चंद अवधिया (LIC)आदेगांव, प्रचार मंत्री - विनय कुमार अवधिया लखनादौन, नरोत्तम अवधिया लखनादौन , सतीश कुमार अवधिया बरघाट, सुनील कुमार अवधवाल नैनपुर मंडला, प्रमोद कुमार अवधवाल (काका) बरघाट, संदीप कुमार अवधिया गोपालगंज , राजेश कुमार अवधिया कान्हीवाड़ा, जितेंद्र कुमार अवधिया आदेगांव , विजय कुमार अवधिया छपारा, रामचंद्र अवधिया छपारा, मोतीलाल अवधिया छपारा, नंदकिशोर अवधिया छपारा, संतोष कुमार अवधिया छपारा को चुना गया। साथ ही महिला मंडल का चुनाव भी सर्व स मति से संपन्न कराया गया जिसमें श्रीमती इंद्रा अवधिया को महिला मंडल छपारा का अध्यक्ष एवं श्रीमती शोभा अवधिया को महिला मंडल भीमगढ़ का अध्यक्ष चुना गया।

समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश कुमार अवधिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें समाज में रहते हुए सुई धागा का काम करना है ना की कैंची का, जिस प्रकार सुई धागा मिलकर फटे हुए कपड़े को जोड़ देते हैं उसी प्रकार समाज को एकजुट रखना प्रत्येक व्यक्ति की जि मेदारी है अंत में कबीर सैनिक सेवार्थी संघ के द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अवधिया वरिष्ठ अधिवक्ता सिवनी का शाल एवम श्रीफल से स मान किया गया । भोजन के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

जबलपुर में बनेगा देश का पहला जियो पार्क

जियो पार्क में प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर निर्माण किया जाये -मंत्री राकेश सिंह

जियोपार्क निर्माण के संबंध में बैठक संपन्न

भोपाल । लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह ने ल हेटाघाट-भेंडाघाट जबलपुर में जिओ पार्क की स्थापना एवं उसकी परियोजना के संबंध में मंत्रालय में बैठक हुई। जियो पार्क की संपूर्ण परियोजना की पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर विभिन्न निर्देश संबंधितों को दिये।

मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि जबलपुर में बनने वाला देश का पहला जियो पार्क जियोलॉजिकल संरचनाओं के साथ-साथ मानव स यता के विकास के अध्ययन, पर्यटन और संस्कृति के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा की भेड़ाघाट-ल हेटाघाट जियोलॉजिकल गतिविधियों के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यहाँ जो भी निर्माण हो वे पूरी तरह प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर ही किए जायें। यहाँ आने वाले सैलानी प्रकृति के साथ जुड़ाव महसूस कर पायें इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये। मंत्री श्री सिंह ने जिओ पार्क एवं संग्रहालय को आकर्षक, प्रभावी एवं शिक्षाप्रद बनाने पर बेहद ध्यान देने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने जियो पार्क में स्थापित किए जाने वाले संग्रहालय में ल हेटा निर्माण उसके फैलाव, रानी दुर्गावती के संबंध में जानकारी एवं जबलपुर की भू संस्कृति का समावेश करने के निर्देश दिये। उन्होंने जियो पार्क में प्रकृति अनुभव आधारित टूरिज्म को बढ़ावा देने का भी प्रावधान जैसे नेचर स्टे बनाने का सुझाव दिया।

बैठक में कार्य के लिए चयनित एजेंसी द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से जियो पार्क की संपूर्ण परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया।प्रेजेंटेशन में बताया गया कि जियो पार्क में जो भी निर्माण होगा वह प्रकृति के साथ पूरे तालमेल में रहेगा एवं निर्माण काफ़ी मनमोहक होगा। यहाँ हजारों पेड़ों के बीच में स्ट्रक्चर बनाए जाएँगे जिससे लोगों को एक नया अनुभव मिलेगा।

जियो पार्क में स्थापित किया जाने वाला संग्रहालय विश्व-स्तर का होगा और यहाँ 3 डी मॉडलिंग, थीमेटिक डिज़ाइन, इंटरै टव टच टेबल आदि अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग भी किया जायेगा। संग्रहालय कई भागो में विभाजित रहेगा जिसमे बड़ों से लेकर बच्चों तक और जियोलॉजिकल स्टडी कर रहे स्कॉलर्स के लिये भी कई विशेष से शन रहेंगे जिनमे 5 डी फिल्मों के माध्यम से नेचर वॉक रहेगी जो अत्यंत रोमांचक होगी।

मध्यप्रदेश की भू-संस्कृति, नर्मदा की भू-विरासत, पृथ्वी की खोज, दोहरा ग्रह ,पृथ्वी के केंद्र की यात्रा सहित अन्य विषयों पर प्रभावी एवं शिक्षाप्रद जानकारी इंटरै टव एवं 3 डी मॉडलिंग के माध्यम से दी जायेगी। संग्रहालय में मध्यप्रदेश के 13 भौगोलिक क्षेत्रों को उनके भौगोलिक-सांस्कृतिक महत्व एवं धरोहर के साथ बेहद आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया जायेगा।

जियोपार्क में डायनासोर की एक विशाल प्रतिकृति भी बनाई जायेगी।यहाँ एक आकर्षक नेचर वॉक भी बनाई जायेगी जहाँ सैलानी प्रकृति के साथ जुड़ाव महसूस कर पायेंगे।इसी के साथ जियोपार्क में अत्याधुकीन फ़ूड कोर्ट, शॉपिंग कॉ प्ले स आदि रहेंगे जहाँ स्थानीय समुदाय की सहभागिता का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

जियो पार्क लगभग 12 हे टेयर भूमि पर निर्मित होगा। जियोलॉजिकल पार्क की स्थापना का कार्य पर्यटन विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। जियोपार्क के संबंध में शीघ्र ही बैठक जबलपुर में पार्क के लिये चयनित स्थान पर की जायेगी।

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के अधिकारी उपस्थित रहे, इसके साथ कले टर जबलपुर श्री दीपक से सेना वीसी के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

विज्ञान शिक्षा को रुचिकर बनाने के लिये प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण कदम

राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक श्री धनराजू एस ने प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

भोपाल । राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक श्री धनराजू एस ने आज भोपाल में सारिका घारू द्वारा स्वयं के प्रयास से निर्मित नवीन प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान शिक्षा को रुचिकर बनाने के लिये प्रयोगशाला एक प्रेरणादायी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में रखे मॉडल से हम बच्चों को विज्ञान से संबंधित कठिन से कठिन जानकारी को आसानी से समझा सकते हैं।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि बच्चे खेल के साथ ज्ञान की बातों को आसानी से समझते हैं। नई शिक्षा नीति में शैक्षणिक संस्थाओं को इस पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा गया है। संचालक श्री धनराजू ने कहा कि स्कूलों में तो प्रयोगशाला हैं, लेकिन ऐसे प्रयास किये जाना चाहिये कि सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक मॉडल में प्रयोगशाला तैयार हों। उन्होंने स्वयंसेवी संगठनों से इस दिशा में आगे बढ़कर पहल करने की बात कही।

नेशनल अवार्ड प्राप्त सारिका घारू ने हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्राम सांडिया में हाई स्कूल स्तर तक के विज्ञान पर आधारित प्रयोगशाला को बनाया है। उन्होंने इसका नाम अपनी स्वर्गीय माँ श्रीमती विद्याबाई के आधुनिक वैज्ञानिक सोच को देखते हुए उनके नाम पर विद्या विज्ञान प्रयोगशाला रखा है। मिनी साइंस सेंटर में वैज्ञानिकों के जीवन को प्रदर्शित किया गया है। भारत के विभिन्न साइंस सेंटर से आधुनिक प्रयोग सामग्री को लाकर इसमें रखा गया है। इस प्रयोगशाला में स्वयं के व्यय पर भौतिकी, रसायन, पर्यावरण, जीव-विज्ञान और खगोल-विज्ञान से संबंधित सामग्री को प्रदर्शित किया गया है।

केबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद पटेल का 21 जनवरी को मण्डला आगमन

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में लोकसभा स्तरीय चुनाव प्रबंध समिति की बैठक में होंगे शामिल

मण्डला यशो:- भारतीय जनता पार्टी लोकसभा ` लस्टर प्रभारी मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद पटेल जी का 21 जनवरी को मण्डला आगमन होगा भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित लोकसभा स्तरीय चुनाव प्रबंध समिति की संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि लोकसभा स्तरीय बैठक भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में दोपहर 1 बजे आहूत की गयी है। जिसमें मण्डला लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा मण्डला, निवास, बिछिया, डिंडोरी, शहपुरा, केवलारी, लखनदोन, गोटेगांव की प्रबंध समिति एवं जिला कोर कमेटी इस बैठक में अपेक्षित हैं। बैठक उपरांत लोकसभा चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया जायेगा। इस बैठक में विधानसभा के अपेक्षित पदाधिकारियों सहित केंद्रीय इस्पात ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री फग्गनसिंह कुलस्ते, मध्यप्रदेश शासन की केबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके भी उपस्थित रहेंगी।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने प्रत्येक व्यक्ति को विकास की मु य धारा से जोड़ना आवश्यक - फग्गन सिंह कुलस्ते

शासन की योजनाओं को समझें तथा पात्रतानुसार लाभ उठाएं - संपतिया उइके

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिलाई शपथ

मंडला यशो:- विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मंडला नगर के रानी अवंती बाई वार्ड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पात्रतानुसार शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। जिसके माध्यम से गांव घर तक पहुंचकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है। सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य कर रही है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भीष्म द्विवेदी, जयदत्त झा, अनुराग चौरसिया, प्रफुल्ल मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम सोनल सिडाम सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी सं या में हितग्राही तथा नगरवासी उपस्थित रहे।

श्री कुलस्ते ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को विकास की मु य धारा से जोड़ा जाना आवश्यक है। श्री कुलस्ते ने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं को समझें तथा पात्रतानुसार लाभ उठाएं। इस अवसर पर पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने अपने संबोधन में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वंचित व्यक्तियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा हर गांव तक पहुंच रही है। विभिन्न विभागों के स्टॉलों के माध्यम से हितग्राहियों को पात्रतानुसार लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंनने जनप्रतिनिधियों से भी आव्हान किया कि वे हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। संपतिया उइके ने अपने संबोधन में स्ट्रीट वेंडर्स, आयुष्मान कार्ड, उज्वला योजना, मातृ वंदना, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव से संबंधित अनुभव भी साझा किए गए। मंचासीन अतिथियों द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभों का वितरण किया गया। साथ ही उपस्थितजनों को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणजनों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

आज इन पंचायतों में पहुंचेगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

विकसित भारत संकल्प यात्रा 20 जनवरी 2024 को बिछिया विकासखंड के कन्हारीकला, घुघरी में बनिया एवं सुरेहली, मोहगांव में उमरडीह एवं खीसी, निवास में कटंगसिवनी एवं हिरनाछापर तथा मंडला में नरेन्द्रगढ़, किन्द्री, जंतीपुर एवं बिनैका पंचायत पहुंचेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा का समापन 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर होगा।

हत्या के आरोपी को थाना मोतीनाला पुलिस ने गिर तार कर पहुंचाया जेल

मंडला यशो:- दिनांक 16 जनवरी 2024 को थाना मोतीनाला अंतर्गत ग्राम भीमडोंगरी बड़ेटोला से हत्या की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटना स्थल पर मौके की कार्यवाही करते हुए शव का पंचनामा कर रिपोर्टकर्ता की रिपोर्ट से आरोपी रामप्रसाद धुर्वे पिता अकल सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी भिमडोंगरी बडेटोला के विरूद्ध भादवि की धारा 302 के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा मामले में फरार आरोपी को तत्परता से

कार्यवाही करते घेराबंदी कर गिर तार किया गया। थाना मोतीनाला पुलिस द्वारा आरोपी से लोहे का बसुला जब्त किया गया हैं। आरोपी मृतक मुलिया बाई का पड़ोसी रिश्तेदार है एवं मृतिका द्वारा आरोपी को शराब पीने से रोकने की बात को लेकर आरोपी ने लकड़ी काटने वाले लोहे के वसूला से सर और कनपटी में चोट पहुंचाकर हत्या कर दी। आरोपी को 24 के घंटे के अंदर गिर तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। आरोपी की गिर तारी एवं कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार चौबे, लिखनसिंह टेकाम, रविंद्र नेताम, प्रधान आरक्षक साल्गुराम, फागुराम, आरक्षक राहुल, महेश, सागर, प्रशांत, मधुर, विकास, पवन, मुकेश, समीर, शैलेश, सैनिक अनिल शामिल रहें।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों के लिए पुलिस ग्राउंड का निरीक्षण

मंडला यशो:- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर पुलिस लाईन ग्राउंड का निरीक्षण किया। कले टर ने मु य समारोह में मंच व्यवस्था, साफ-सफ़ाई, बैठक व्यवस्था, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झाँकी, रिहर्सल, दर्शक दीर्घा, पार्किंग, साउंड सिस्टम, यातायात आदि के संबंध ज़रूरी निर्देश दिए। उन्होंगने कहा कि मु य समारोह के लिए झाकियाँ थीम पर आधारित बनाई

जाएं। इस दौरान अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सभी मतदाताओं से मतदान कराना बीएलओ की जि मेदारी

रोल प्रेक्षक श्री वर्मा ने किया मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन

मण्डला यशो:- फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए नियुक्त रोल प्रेक्षक एवं जबलपुर संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने मतदान केन्द्र कन्या प्राथमिक शाला बिंझिया का निरीक्षण करते हुए फोटो निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण 2024 के तहत की जा रही कार्यवाहियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित बीएलओ से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मतदाता सूची से नाम काटने, तथा संशोधन के लिए भरे गए आवेदनों की जानकारी ली। श्री वर्मा ने सभी आवेदनों को निर्धारित समयावधि में ऑनलाईन करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनरीक्षण की कार्यवाही के तहत मतदाता सूची के वाचन सहित अन्य गतिविधियों के बारे में बीएलए सहित अन्य लोगों से फीडबैक भी लिया। श्री वर्मा ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे मतदाताओं से सतत संपर्क करते हुए उन्हें नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करें। सभी मतदाताओं से मतदान कराना बीएलओ की जि मेदारी होती है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केन्द्र में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उन्हें मतदान का महत्व बतलाया तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग प्रदान करने का आव्हान किया। इस दौरान अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम मंडला सोनल सिडाम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने बीएलओ एवं बीएलए में समन्वय आवश्यक - अभय वर्मा

रोल प्रेक्षक ने की पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

मण्डला यशो:- रोल प्रेक्षक एवं जबलपुर संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता से करते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। पुनरीक्षण के माध्यम से मतदाता सूची को त्रुटिरहित

बनाने के लिए बीएलओ एवं बीएलए में समन्वय आवश्यक है। जिला योजना भवन में संपन्न हुई बैठक में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना, अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर अरविंद सिंह सहित संबंधित उपस्थित रहे। श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि बीएलओ अपने क्षेत्र का भ्रमण करें तथा जिन भी व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से छूटे व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उनसे नियमानुसार फॉर्म भरवाएं तथा उनका मतदाता सूची में नाम जोड़ने की कार्यवाही करें। शादी होकर आने वाली महिलाओं के नाम जोड़ें। उन्होंने कहा कि जो भी फॉर्म प्राप्त हो रहे हैं उन्हें तत्काल ऑनलाईन करें। मतदाता सूची से किसी भी का नाम काटने के पूर्व दस्तावेजों से विधिवत सत्यापन सुनिश्चित करें। मृत व्यक्तियों की जानकारी के लिए संबंधित निकायों से सहयोग प्राप्त करें। मतदान केन्द्र में लगने वाले विशेष शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। शिविर में मतदाता सूची का वाचन करें तथा प्राप्त दावा आपत्तियों के नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही करें। पुनरीक्षण के दौरान जेंडर रेशो एवं ईपी रेशो पर भी फोकस करें। रोल ऑब्जर्वर ने मतदान केन्द्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत जिले में की गई कार्यवाहियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। तीनों विधानसभा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने पावरप्वाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी।

अंतर जिला महाविद्यालय संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में मंडला ने डिंडोरी को 117 रन से दी शिकस्त

मण्डला यशो:- गुरुवार को स्थानीय महात्मा गांधी स्टेडियम में अंतर जिला महाविद्यालय संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ संजय कुशराम के मु य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय कला महाविद्यालय ब हनी बंजर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष भरत यादव ने की। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद कछवाहा व आर. डी. कॉलेज के प्राध्यापक डॉ टर टीपी मिश्रा उपस्थित थे

पहला मैच मेजबान मंडला और डिंडोरी के बीच खेला गया। मंडला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 187 रन बनाए।

मंडला की तरफ से सबसे ज्यादा 55 रन विक्रम ने बनये। अपनी पारी के दौरान विक्रम ने 10 चौक लगाए। दो चौके और दो छक्के की मदद से हरिओम ने 27, अमन ने 25, सुधांशु ने 19, संजीत व विशाल ने 13 - 13, हर्ष ने 5 रन बनाए। राजेश और अनिमेष बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। अनुराग एक रन बनाकर नॉट आउट रहे। डिंडोरी की तरफ से योगेश तेकाम ने दो, सेवक राम ने दो, नरेंद्र कुमार ने एक और अभिषेक कुमार ने चार विकेट लिए। 188 रन के विजय लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिंडोरी की टीम बेहतर खेल का प्रदर्शन नहीं कर सकी और उसके सलामी बल्लेबाज जल्द पवेलियन लौट गए। जो विकेट शुरू हुआ तो थमा ही नहीं। योगेश्वर व पवन ने 8 - 8, सचिन ने 5, राजा ने 30, योगेश ने 1, निगम ने 6, नरेंद्र ने 1, अभिषेक ने 9 और सेवक ने 4 रन बनाए। इस तरह डिंडोरी की पूरी टीम महज 47 रन बनाकर आउट हो गई और मंडल ने 116 रन के विशाल अंतर से यह मैच जीत लिया। मंडला की जीत में उसके गेंदबाजों का बड़ा योगदान रहा। गेंदबाज अमन व हर्ष बघेल ने दो - दो, बृजेश ने चार और अनुराग ने एक खिलाड़ी को आउट किया। एक खिलाड़ी रन आउट का शिकार हुआ। इस मैच में आकाश बर्मन व नयन अग्रवाल निर्णायक की भूमिका में थे, जबकि स्कोरर की भूमिका का निर्वहन रवि साहू ने किया। मैच की कमेंट्री सैयद जावेद अली और समीर वाजपेई ने की।

शुक्रवार की सुबह 9-00 बजे पहला मैच मंडला और नरसिंहपुर के बीच होगा। दूसरा मैच जबलपुर और कटनी के बीच खेला जायेगा। इस प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में प्रतियोगिता सचिव डॉ टर विवेक जायसवाल, डॉ टर कोमल प्रसाद चंद्रोल, डॉ टर गुल बाहर खान, डॉ टर रवि यादव, डॉ टर प्रशांत यादव, डॉ आशीष चतुर्वेदी, डॉ टर देवेंद्र सिंह बघेल, डॉ टर अनूप परिहार ने अहम भूमिका का निर्वहन किया। इस मौके पर डिंडोरी के कोच आमिर खान व मैनेजर मनोज करोल उपस्थित थे। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अजय मिश्रा व वरिष्ठ पत्रकार सुधीर उपाध्याय खास तौर से इस दौरान उपस्थित रहे।

लोकतंत्र में मतदान के महत्व से मतदाताओं को अवगत कराएं - वर्मा

रोल प्रेक्षक ने ली राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक

मण्डला यशो:- रोल प्रेक्षक एवं जबलपुर संभाग आयुक्त अभय वर्मा ने फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है। उन्होंने राजनैतिक दलों का आव्हान किया कि वे भी पुनरीक्षण कार्य में भागीदारी करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें तथा इस कार्य में सहभागिता के लिए में बूथ लेवल एजेंट को भी प्रेरित करें। श्री वर्मा ने उपस्थित

प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण की गतिविधियों के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंबने राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों से आव्हान किया कि वे लोकतंत्र में मतदान के महत्व से मतदाताओं को अवगत कराएं तथा प्रत्येक मतदाता को नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करें।बैठक में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने पुनरीक्षण कार्य के तहत जिले में किए गए कार्यो की जानकारी दी। बैठक में अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर अरविंद सिंह, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले के आदिवासी छात्र-छात्राओं ने संसद का किया भ्रमण उपराष्ट्रपति निवास पर भारत के उपराष्ट्रपति से की भेंट

उपराष्ट्रपति ने ट्राइबल युवकों से कहा - आप इस देश के मालिक हैं, आप जमीन से जितना जुड़े हुए हैं, उतना और कोई नहीं जुड़ा है

बालाघाट । आदिवासी इलाकों की पहचान खनन से नहीं, बल्कि वहां के प्रतिभाशाली लोगों से होनी चाहिए। बालाघाट (मप्र) तथा छत्तीसगढ़ के आदिवासी छात्र-छात्राओं ने संसद भ्रमण किया और उपराष्ट्रपति निवास पर भारत के उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि आदिवासी हमारे देश की शान हैं। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से आये आदिवासी छात्र-छात्राओं से उपराष्ट्रपति निवास पर मुलाकात करते हुए श्री धनखड़ ने कहा मैं आपको यही कहूंगा कि आप इस देश के मालिक हैं। आप जमीन से जितना जुड़े हुए हैं, और कोई नहीं जुड़ा हुआ है। उपराष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 2024 की शुरुआत मेरे लिए, राज्यसभा परिवार के लिए और उपराष्ट्रपति के परिवार के लिए बहुत ही सौभाग्यशाली रहेगी,` योंकि आपके कदम यहां पड़ चुके हैं। जनजाति की ताकत को यदि समझना है, इसके महत्व को समझना है, इसकी प्रतिभा को समझना है तो राष्ट्रपति भवन चले जाइए। जनजाति की महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति हैं, और आज जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, सबसे जीवंत लोकतंत्र है, अप्रत्याशित प्रगति की ओर चल रहा है।जनजाति की ताकत और प्रतिभा को समझना है तो राष्ट्रपति भवन चले जाइए - उपराष्ट्रपति बालाघाट मध्य प्रदेश के युवा ने उपराष्ट्रपति से की भेट उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत बदल गया है, और यही कारण है कि भारत के तीन सर्वोच्च पद- नंबर एक पर एक ट्राइबल महिला हैं, नंबर दो पर किसान पुत्र है और नंबर तीन पर है अन्य पिछड़ा वर्ग से और दुनिया में क्रांति भारत की वजह से आ रही है।अपने वकालत के दिनों का जिक्र करते हुए श्री धनखड़ ने बताया कि उनका छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा और कर्नाटक में धरवाड़ जैसी जगहों पर बहुत आना जाना रहा था। इन जगहों की एक खास बात है कि ईश्वर ने इन पर बड़ी कृपा की है और ये नेचुरल रिसोर्सेस से भरपूर हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2014 में एक बदलाव आया और भारत के प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि इन इलाकों की पहचान खनन से नहीं होनी चाहिए, बल्कि वहां के प्रतिभाशाली लोगों से होनी चाहिए।श्री धनखड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है जो हमें प्रेरणा देता है और दुनिया को पता लग गया है कि वह कौन हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत अमृत काल में है और दुनिया हमारी प्रगति को देखकर आश्चर्यचकित है। आदिवासी हमारे देश की शान हैं। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित छात्रों से आह्वान किया कि 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल का पर्व मनायेगा, उसके कर्णधार आप हैं, उसके योद्धा आप हैं। आपके सबल कंधों पर ही विकसित भारत का निर्माण होगा।वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि सदा स्वस्थ रहें, स्वस्थ सोचे, बिल्कुल नहीं डरे। कई बार हम लोग गांव से आते हैं तो हमें डर लग जाता है शहर की चमक दमक से। उन्होंने कहा कि मत डरिए योंकि शहरों में भी ताकत ग्रामीण की ही है, ट्राइबल की ही है।उपराष्ट्रपति निवास पर भेंट के बाद सभी छात्र-छात्राओं ने संसद का भ्रमण किया।इस अवसर पर डॉ सुदेश धनखड़, राज्य सभा के महासचिव, श्री पी सी मोदी, उपराष्ट्रपति के सचिव श्री सुनील गुप्ता, राज्य सभा के सचिव श्री रजित पुन्हानी, अवर सचिव श्रीमती वन्दना कुमार सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आदिवासी युवा आदान-प्रदानकार्यक्रम के तहत बालाघाट के 60युवा हुए शामिल। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश के आदिवासी छात्र-छात्राओं ने 'जनजातीय युवा ऐ सचेंज कार्यक्रम' के तहत संसद भ्रमण किया और उपराष्ट्रपति निवास पर भारत के उपराष्ट्रपति से भेंट की।गृह मंत्रालय द्वारा पिछले 15 वर्षो से जनजातीय युवा ऐ सचेंज कार्यक्रम (टीवायईपी) का संचालन युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवायकेएस) के माध्यम से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दूर-दराज के व उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के जनजातीय युवक/युवतियों को देश भर के प्रमुख शहरों में भ्रमण पर ले कर जाते हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्य प्रमुखतः आदिवासी युवाओं की आकांक्षा बढ़ाना, उन्हें देश के विकास गतिविधियों, योजनाओं व रोजगार के अवसरों से अवगत कराना और देश के दूसरे भागों के युवाओं से मिलवाना है। 2006-07 से 2022-23 तक, कुल 25,880 आदिवासी युवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है। इस वर्ष टीवायईपी में देश भर के 25 प्रमुख शहरों में कार्यक्रम हो रहे हैं एवं प्रत्येक कार्यक्रम में 200 प्रतिभागी होते हैं। गुरुग्राम (हरियाणा) में भी एक कार्यक्रम 15 से 21 जनवरी, 2024 तक हो रहा है। इस कार्यक्रम में भाग ले रहे छात्र-छात्राएं ही आज उपराष्ट्रपति से मिले हैं। 140 प्रतिभागी छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकुमा, बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और राजनांदगांव से हैं जबकि 60 प्रतिभागी मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से हैं।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati.com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297